>

Title: Need to extend the cut-off date for the waiving off the loans upto 31.12.2007 in order to help the small and marginal farmers**.**

श्री अनिरुद्ध प्रसाद उर्फ साधु यादव (गोपालगंज) : सभापति महोदय, मैं देश के किसानों से संबंधित सवाल पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं, आपने बोलने का समय दिया, उसके लिए धन्यवाद करता हूं। सभापति महोदय, 31.3.2007 तक की ऋण माफी से जनता को कोई लाभ मिलने वाला नहीं है क्योंकि उनके द्वारा समय से ऋण प्राप्त कर बैंकों को वापस कर दिया जाता है। सामंती लोगों द्वारा बड़े ऋण की राशि लेने के पश्चात ऋण जमा ही नहीं किया जाता है, जिस कारण सभी सामंती एवं हठी किसानों को लाभ मिल जाएगा। परन्तु समय से जो गरीब, दलित किसान नियम के पाबंद रहते हुए समय पर लोन लेते और देते हैं,उन्हें भारत सरकार द्वारा दी गयी राहत नहीं मिलेगी। अगर सरकार द्वारा 31.12.2007 तक के सभी ऋण, चाहे वह बैंक से लिया गया हो या सभी स्तर की सहकारी समितियों से लिया गया हो, उसे माफ कर देने से, लघु एवं सीमांत स्तर तक के सभी कृषकों को लाभ मिलेगा। इसलिए मेरा भारत सरकार से अनुरोध है कि 31.12.2007 तक के सभी ऋणों को माफ करने का कष्ट करें।